

IN THE COURT OF BOARD OF REVENUE M.P. AT GWALIOR

67

R-764-III/2004

APPLICANT - Mst. Phoolmati wife of late Parasu Ram Shukla
Aged about 68 years, Occupation Agriculture
R/o Village Babupure Tahsel Hazur, District
Rewa, M.P.

V/S

NON APPLICANT- Ramayan Prasad S/o late Parasu Ram Shukla
Aged about 40 years, Occupation Agriculture
and Service R/o Village Babupure Tahsil
Hazur, District Rewa, M.P.



श्री. एम. शिवाजी-एडवोकेट
द्वारा आज दि. 24/6/04 को प्रस्तुत।
अवर सचिव
राजस्व मण्डल मं० प्र०
2.4 JUN 2004

Revenue revision V/s 50 of the land
Revenue Code 1959 against The Judgement
and order of Additional Commissioner
Rewa, District Rewa M.P., Dated 20.5.04
in revenue revision No. 51/Rivision/
2003-2004

Respected Sir,

The grounds of revision are as follows :-

1. That the learned Ad. Commissioner Rewa has erred in law and facts and has arrived at wrong conclusion.
2. That the discussions, observation and order under revision stand vitiated.
3. That the laerned Ad. Commissioner has not applied the correct law obtaing on the subject.
4. That the entire case has been approached with a wrong angle evidence has been either misread or

le. M. Shrivastava
24.6.04

...2



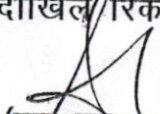
— 1/51 G.A.C

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 764-तीन/2004

जिला रीवा

| स्थान तथा दिनांक | कार्यवाही तथा आदेश | पक्षकारों एवं अभिभावकों आदि के हस्ताक्षर |
|------------------|---|--|
| ५४ -11-2016 | <p>आवेदक अभिभाषक श्री के०के० द्विवेदी उपस्थित।</p> <p>2/ आवेदक अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों के संदर्भ में अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेखों का अवलोकन किया। अपर आयुक्त ने आदेश दिनांक 20-5-2004 में पाते हुये कि अपर कलेक्टर ने विचारण न्यायालय का आदेश स्थिर भी रखा तथा विचारण न्यायालय को निर्देश भी दिये हैं कि दानपत्र पर सुनवाई व पर्याप्त साक्ष्य का अवसर प्रदान करते हुये आदेश पारित किया जाये। चूंकि विचारण न्यायालय में दानपत्र पर किसी प्रकार का अंतिम निराकरण नहीं हुआ है मात्र आपत्ति का निराकरण किया गया है इसलिए अपर आयुक्त ने विचारण न्यायालय को प्रकरण इस निर्देश के साथ किया है कि उभय पक्ष की सुनवाई कर प्रकरण निराकरण गुण-दोषों के आधार पर करें। अपर आयुक्त के आदेश में किसी प्रकार की अवैधानिकता अथवा अनियमितता प्रकट नहीं होती है। इसके अतिरिक्त विचारण न्यायालय के समक्ष दोनों पक्षों को अपना पक्ष समर्थन का अवसर उपलब्ध है। उपरोक्त विवचेना के आधार पर निगरानी आधारहीन होने से निरस्त की जाती है। पक्षकार सूचित हों। प्रकरण दाखिल/रिकार्ड हो।</p> <p style="text-align: right;"> (एस०एस० अली) सदस्य</p> | |